الدرس الثامن والعشرون

(الخليفة عمر بن الخطاب (رضي الله عنه

عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* ويلقب بالفاروق، ولد بعد النبي *(صلى الله عليه وسلم)* بثلاث عشرة سنة. أسلم قبل الهجرة بخمس سنين. وكان لإسلامه أثر كبير في رفعة شأن الإسلام. وهاجر إلى المدينة وحده جهارا.

صحب الرسول بعد إسلامه. وبالغ في نصرته. وشهد معه أكثر الغزوات، وكان الرسول *(صلى الله عليه وسلم)* يستشيره في كثير من الأمور. وكان شهما حازما عادلا، ذا رأي سديد، شديدا على الظالم، وفيا في الحق، ولذلك اشتهر باسم الفاروق.

عندما مرض أبو بكر *(رضي الله عنه)* جمع كبار الصحابة واستشارهم في استخلاف عمر *(رضي الله عنه)* على المسلمين. ولما اشتهر به من الحزم، والعدل، والاستمساك بالحق وخوفا على المسلمين من الفتنة والانقسام، وافقوا على رأيه. وبايعوا عمر *(رضي الله عنه)* خليفة للمسلمين بعد أبي بكر *(رضي الله عنه)*. وتولى الخلافة في اليوم الذى مات فيه أبو بكر *(رضي الله عنه)* بوصية منه. وبعد أن كتب له عهدا بذلك.

وبينما كان عمر *(رضي الله عنه)* يصلى بالناس صلاة الفجر، طعنه أبو لؤلؤة المجوسي، وهو غلام فارسي للمغيرة بن شعبة، وحمل عمر *(رضي الله عنه)* إلى داره. وقبل أن يلاقي ربه، سأل عمن طعنه. ولما علم أنه غير مسلم

قال: "**الحمد لله إذا لم يقتلني رجل سجد لله**". وتوفي بعد ذلك بأيام، وعمره ٦٣ سنة. ودفن بجانب أبي بكر *(رضي الله عنه)*. وكانت مدة خلافته عشر سنين وستة أشهر.

المفردات والعبارات

أَسْلَمَ	быть покорным, принимать ислам
رِفْعَةٌ	1) поднятие 2) возвышение 3) высокое положение
هَاجَرَ	переселяться, эмигрировать
جِهَارًا	открыто
صَحِبَ	сопровождать
بَالَغَ	преувеличивать
اِسْتَشَارَ	1) советоваться 2) просить консультации
شَهْمٌ	стойкий, доблестный
حَازِمٌ	1) твёрдый, решительный 2) благоразумный
رَأْيٌ (أَرَاءٌ)	1) мнение 2) идея
سَدِيدٌ	правильный, здравый, благоразумный
شَدِيدٌ	сильный, трудный
عَادِلٌ (عُدُولٌ)	справедливый
ظَالِمٌ (ظُلاَّمٌ)	несправедливый, жестокий
وَفِيٌّ (أَوْفِيَاءُ)	полный, верный, преданный
اِشْتَهَرَ	прославиться, быть известным
كِبَارُ الصَّحَابَةِ	старшие сподвижники

اِسْتِخْلَفَ	оставлять после себя
اِسْتَمْسَكَ	придерживаться, крепко держаться
فِتْنَةٌ (فِتَنٌ)	1) смута, мятеж 2) заблуждение, неверие 3) очарование, искушение;
اِنْقِسَامٌ	деление
وَصِيَّةٌ (وَصَايَا)	завещание, завет
عَهْدٌ (عُهُودٌ)	1) обещание, обет 2) договор, обязательство
طَعَنَ	колоть, пронзать, ударять
غُلاَمٌ (غِلْمَانٌ)	мальчик; юноша, парень
فَارِسِيٌّ	перс
حُمِلَ	*страд.* быть перенесенным
لاَقَى	встречать
قَتَلَ	убивать
سَجَدَ	поклоняться; кланяться
دُفِنَ	*страд.* быть похороненным
بِجَانِبِ	рядом

تدريبات

١ – شكلوا وترجموا نص "الخليفة عمر بن الخطاب (رضي الله عنه)":

٢ – شكلوا الجمل الآتية وترجموها، وأجيبوا عن الأسئلة:

١) من هو عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*؟ ولم لقب بالفاروق؟

٢) أذكر أهم أعمال الخليفة عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* في تنظيم أمور

الدولة؟

٣) كيف تولى عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* الْخلافة؟

٤) كيف هاجر عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* إلى الْمدينة؟

٥) في أي يوم تولى عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* الْخلافة؟

٦) متى أسلم عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*؟

٧) بكم سنة بعد النبي *(صلّى الله عليه وسلم)* ولد عمر *(رضي الله عنه)*؟

٨) ما هي صفات عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*؟

٩) حُمل الخليفة عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* إلى داره بعد أن غدر به. فما العبارة التى قالَها بعد أن عرف الذي غدر به؟

١٠) كم سنة حكم عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*؟

٣ – أدخلوا الكلمات الآتية في جمل:

- طعن؛
- صلى بـ؛
- وفي؛
- بجانب؛
- لقب.

٢ – شكلوا و ترجموا الفقرة الآتية إلى اللغة الروسية باستخدام القاموس:

لقب عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* بالفاروق، وعندما أسلم أعز الله

الإسلام به، وكان عادلا وشجاعا لا يهاب أحدا في الحق حريصا على أمور الْمسلمين شديد الإهتمام بِهم فقد كان يمشى في الأسواق ليلا ونهارا يتفقد أحوال الناس. ومما سجله التاريخ عن عدل هذا الخليفة العظيم أن مبعوث كسرى الفرس حضر ليطلع على أحوال عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)* والْمسلمين حيث دخل المدينة وسأل عن عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*، فقال له الناس إنه خارج الْمدينة. فخرج مبعوث كسرى يبحث عن عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*، فرآه نائما في ظل شجرة على الأرض فوق الرمل وقد وضع جبته تَحته والعرق يتصبب من جبينه فلما رآه ذلك الرجل على هذا الْحال خشع قلبه وقال: "هذا حال رجل تَخشاه جميع الْملوك. لقد عدلت يا عمر *(رضي الله عنه)* فأمنت فنمت".

٥ – ترجموا الجمل الآتية إلى اللغة العربية:

1) Халиф Умар *(да будет доволен им Аллах)* получил титул «*аль-фарук*», т.е. «разделяющий правду ото лжи».
2) Умар *(да будет доволен им Аллах)* был младше пророка *(да благословит его Аллах и приветствует)* на тринадцать лет.
3) Халиф Умар *(да будет доволен им Аллах)* принял ислам за 5 лет до хиджры.
4) Все биографы Умара *(да будет доволен им Аллах)* отмечали его бескорыстие и честность.
5) После того, как Умар *(да будет доволен им Аллах)* принял ислам, он стал советником Мухаммада *(да благословит его Аллах и приветствует)*, а со временем и породнился с ним: его дочь Хавса вышла замуж за пророка *(да благословит его Аллах и приветствует)* после того, как ее первый муж погиб в бою.
6) Мусульманское предание сохранило также многочисленные упоминания о скромности Умара *(да будет доволен им Аллах)* и его

благочестии.
7) Умар *(да будет доволен им Аллах)* добавил к званию халифа титул «*Амир аль-му‘минин» («Предводитель правоверных»)*.
8) Умар *(да будет доволен им Аллах)* правил халифатом десять лет и шесть месяцев.
9) Во время утренней молитвы в мечети персидский раб Абу Лу‘луа, ударил Умара *(да будет доволен им Аллах)* ножом в живот.
10) Умар *(да будет доволен им Аллах)* скончался через несколько дней, но предварительно назначил Совет, который должен был избрать нового халифа.

٦ – ترجموا العبارات الآتية، وأدخلوها في جمل:

1) ударить ножом;
2) избрать халифа;
3) править халифатом;
4) иметь прозвище;
5) получить титул;
6) через несколько дней;
7) советник пророка *(Да благословит его Аллах и приветствует)*;
8) значение ислама;
9) написать договор;
10) утренняя молитва.

٧ – صرفوا الأفعال الآتية في المضارع:

- يلاقي؛
- يستشير؛
- يبالغ؛
- يسجد.

٨ – أكملوا الجمل الآتية:

١) كان الخليفة عمر *(رضي الله عنه)* أول من وضع التاريخ . . . ، فاتَّخذ الْمسلمون في عهده هجرة . . . *(صلّى الله عليه وسلم)* مبدأ التقويم

الإسلامى.

٢) عمر بن الخطاب *(رضي الله عنه)*، ويلقب بـ ... ولد بعد *(صلّى الله عليه وسلم)* بثلاث ... سنة.

٣) عندما مرض ... *(رضي الله عنه)* جمع كبار الصحابة واستشارهم في استخلاف ... على المسلمين.

٤) وبينما كان ... *(رضي الله عنه)* يصلى بالناس صلاة الفجر، طعنه أبو لؤلؤة الْمجوسي، وهو غلام ...

٥) وتوفي عمره ودفن بجانب ... *(رضي الله عنه)* وكانت مدة ... عشر سنين وستة أشهر.